Name of the College APSM College Barauni
Name→ Dr. Rajesh Kumar Suman
Deptt→ Economics
Designation→ [GT]
Date→ 23/6/2021
Unit→ 04
Class - B.A. Part-1 [H]
Paper→ 1st
Name of the topic→ Cost of production.]

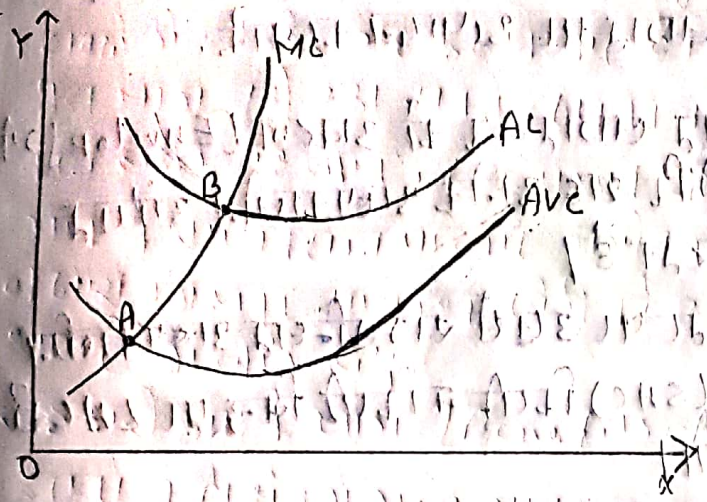

⇒

(IX)-

⇒ MC वक्र का AVC के साथ वही संबंध होता है, जो AC वक्र के साथ होता है।
MC वक्र AVC वक्र के न्यूनतम बिन्दु [चित्र में A] से काटती हुए आगे बढ़ता है,

⇒ AC और AVC वक्रों की दूरी उत्पादन मात्रा बढ़ने के साथ-साथ घटती जाती है, AC तथा AVC का अन्तर AFC को बताता है जो उत्पादन वृद्धि के साथ-साथ घटती जाती है।

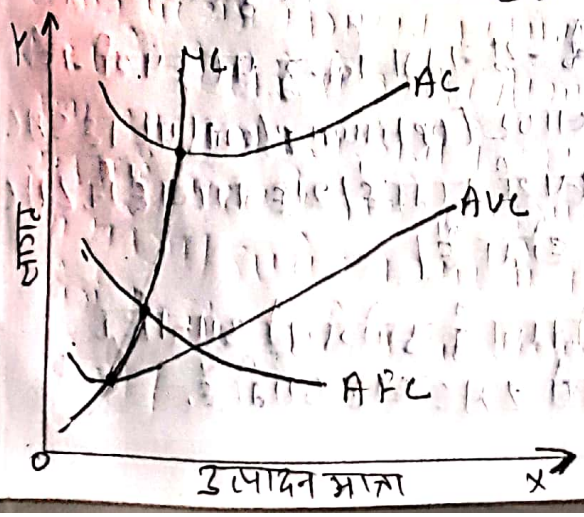

⇒ विभिन्न लागत वक्रों की आकृतियाँ:-

⇒ AFC को छोड़कर शेष सभी लागत वक्र AVC/AC, MC की आकृति U आकार (U) की होती है,

⇒ दीर्घकालीन औसत लागत वक्र (LAC) उत्पादन की विभिन्न उत्पादन मात्राओं की न्यूनतम सम्भव औसत लागत को व्यक्त करता है।

⇒ दीर्घकालीन में फर्म को प्लाण्ट आकार बदलने की स्वतन्त्रता होती है तथा दीर्घकालीन में फर्म किसी उत्पादन स्तर को उत्पादित करने के लिये उस प्लाण्ट का प्रयोग करेगी जो न्यूनतम औसत लागत पर उत्पादन कर सके.

⇒ दीर्घकालीन औसत लागत वक्र को आवरण [Envelop] भी कहा जाता है। क्योंकि यह अनेक अल्पकालीन औसत लागत वक्रों को घेरता है।

⇒ प्रत्येक उत्पादन स्तर पर उससे सम्बन्धित अल्पकालीन औसत लागत वक्र (SAC) किसी न किसी बिन्दु पर LAC को अवश्य स्पर्श करेगा।

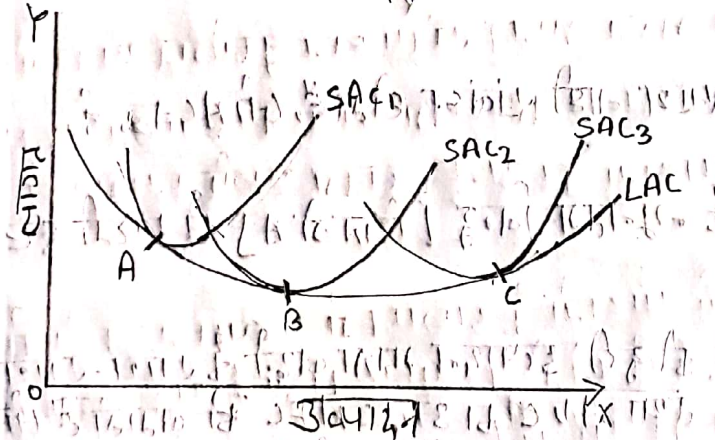

⇒ दीर्घकालीन औसत लागत वक्र का प्रत्येक बिन्दु सम्बन्धित अल्पकालीन वक्र को उसके न्यूनतम बिन्दु पर स्पर्श नहीं करता, केवल अनुकूलतम प्लाण्ट [Optimum Plant] पर वह SAC के न्यूनतम बिन्दु पर उसे स्पर्श करता है। यह कारण है कि LAC अंग्रेजी अक्षर U आकार होता है।

⇒ श्रम विभाजन एवं विशिष्टीकरण के प्रयोग से आन्तरिक बचतें उत्पन्न होती हैं जिससे LAC घट जाती है,